सांध्य दैनिक 4PM

सत्य एक विशाल वृक्ष है, उसकी ज्यों- ज्यों सेवा की जाती है, त्यों-त्यों उसमें अनेक फल आते हुए नजर आते है उनका अंत ही नहीं होता।
-महात्मा गांधी

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 32 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 4 मार्च, 2022

युवाओं के सहारे वरूण के निशाने पर केंद्र... 8 | संघमित्रा के तेवर से सकते में... 3 | सातवें चरण में डिंपल यादव... 7

दस मार्च से पहले ही बदले नौकरशाही के रंग

डीएम बोर्ड हरा कर रहे तो लोहिया पार्क और आगरा एक्सप्रेस-वे होने लगा ठीक

अफसरों ने अखिलेश से संपर्क साधना किया शुरू

अफसरों ने सत्ता परिवर्तन की भांप ली लहर

रिजल्ट आने से पहले ही अपना रिपोर्ट कार्ड ठीक करने में जुट गए हैं योगी सरकार के खास अफसर

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। अंतिम चरण की वोटिंग बची है। सरकार किसकी बन रही है? इसका तो अभी इंतजार है, लेकिन नौकरशाही में हलचल मच चुकी है। पूरी नौकरशाही को अंदाजा हो गया है कि सरकार जा रही है। शायद इसी वजह से अयोध्या के डीएम आवास के बोर्ड का रंग बार-बार बदला गया। यही नहीं, रामनगरी से चली बयार से लखनऊ अछूता कैसे रह सकता है। यहां भी सपा सरकार द्वारा निर्मित कराए गए लोहिया पार्क और जनेश्वर मिश्रा पार्क अचानक साफ होने लगा। लाइटें ठीक होने लगी।

साउंड सिस्टम रिपेयर किया जा रहा। यहां तक कि आगरा लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर हवाई जहाज उतरने के लिए बनाई गई सड़क को साफ करने और पेंट करने का काम जारी है। नोएडा के एक ठाकुर आईपीएस अखिलेश के करीबी बिल्डर के सामने नतमस्तक हो रहे है। कहते हैं कि अफसरों का कोई सानी नहीं, ये दूर से ही बदलाव की आहट सुन लेते हैं। शायद इसीलिए वे दस मार्च को रिजल्ट आने से पहले ही अपना रिपोर्ट कार्ड ठीक करने में जुट गए हैं। ब्यूरोक्रेट्स अखिलेश यादव से मुलाकात की कोशिशें कर रहे हैं। कोई सीधे फोन करके बात कर रहा है तो कोई सहयोगी के जरिए अखिलेश तक पहुंचना चाहता है। ब्यूरोक्रेट्स इतनी परेशान तब उठा रहें हैं। जब यूपी की सत्ता पर कौन बैठ रहा है, यही तय नहीं है। सपा सूत्रों का दावा है कि पुलिस और प्रशासन के कई बड़े अफसर अब तक मुलाकात भी कर चुके हैं। कई लाइन में हैं।

ब्यूरोक्रेट्स सपा प्रमुख से मुलाकात की कर रहे कोशिशें

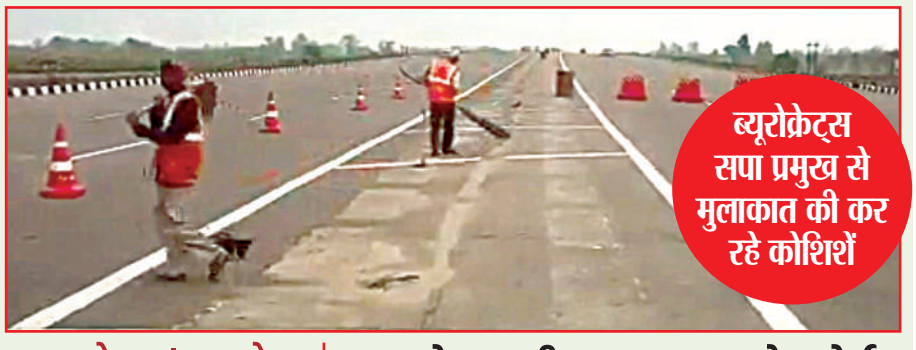

आलोक रंजन से लगा रहें हैं सिफारिश

खबर है कि कुछ अधिकारी अखिलेश सरकार में मुख्य सचिव रहे सीनियर आईएएस आलोक रंजन के जरिए अखिलेश खेमे में अपनी पैठ बनाने की कोशिश में लगे हैं। आलोक रंजन फिलहाल अखिलेश यादव के बेहद करीबी हैं और माना जा रहा है कि अगर सपा की सरकार बनती है, तो उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी जाएगी।

अयोध्या डीएम आवास के बोर्ड के बदलते रंग की कहानी

अयोध्या के डीएम आवास के बोर्ड का रंग 24 घंटों में दो बार बदल दिया गया। पहले भगवा से हरा किया गया और अब हरा से लाल कर दिया गया है। इसको लेकर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई कि क्या उत्तर प्रदेश में एक बार फिर सत्ता परिवर्तन होने जा रहा है? यूपी में भगवा से भाजपा तो हरा रंग को सपा से जोड़ा जाता है। हालांकि एक बार फिर डीएम के बोर्ड का रंग हरा से लाल कर दिया गया है। इस मामले में अयोध्या के लोगों का कहना है कि कई अधिकारी भी सियासत के मौसम वैज्ञानिक होते हैं।

सत्ता परिवर्तन देखकर ही बदलती है रंगों की राजनीति

2017 में उत्तर-प्रदेश में सत्ता परिवर्तन के साथ ही रंग बदलने लगे। सरकारी बिल्डिंग से लेकर मंत्रियों के आवास का रंग भी बदला। रंगों में बदलाव कुर्सियों और उन पर सजने वाले तौलिया तक में दिखाई दिया। सड़क से लेकर चौक-चौराहों पर लगे बोर्ड तक सब कुछ जैसे भगवा मय हो गया। योगी सरकार बनने के बाद डीएम आवास के बोर्ड का रंग भगवा किया गया था। अयोध्या और वाराणसी में कई सारे भवनों को भगवा रंग दिया गया।

अधिकारी होते हैं मौसम वैज्ञानिक

अयोध्या सदर से समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी तेज नारायण पांडे ने कहा कि अधिकारी सबसे बड़े मौसम वैज्ञानिक होते हैं उन्हें पहले से पता लग जाता है कि कौन सरकार आ रही है और कौन सरकार जा रही है। वे कहते हैं कि प्रशासनिक कार्यालयों के बोर्ड का रंग हरा ही होता है, लेकिन योगी सरकार में कुछ अफसरों ने अपने बोर्ड का रंग बदलकर भगवा करवा लिया था, अब योगी सरकार की विदाई होती देख फिर से प्रशासन पुरानी पटरी पर लौटने लगा है।

प्रयागराज में स्ट्रांग रूम की सुरक्षा खतरे में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। मतदान संपन्न होने के बाद सभी ईवीएम मुंडेरा मंडी में बनाए गए मतगणना केंद्र में रखे गए हैं। 12 विधानसभा के ईवीएम मशीन को अलग- अलग रखा गया हैं। वहीं राजनीतिक दलों के प्रत्याशी भी वहां डटे हुए हैं। मुंडेरा मंडी में ही दस मार्च को 12 विधानसभाओं की मतगणना होगी। जिला प्रशासन का दावा है कि इसके लिए स्ट्रांग रूम की सुरक्षा को फूल प्रूफ बनाया गया है। दो राजपत्रित अधिकारी स्ट्रांग रूम की चौबीस घंटे पर्यवेक्षण करेंगे। किसी को प्रवेश करने की अनुमति नहीं है। स्ट्रांग रूम को सीसीटीवी से कवर कर दिया गया है।

वही शहर पश्चिमी सीट से सपा प्रत्याशी रिचा सिंह ने जिला प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाया कि मुंडेरा मंडी में बने स्ट्रांग रूम की सुरक्षा में चुनाव आयोग के निर्देशों की अनदेखी की जा रही है। स्ट्रांग रूम में लगे सीसीटीवी की डिसप्ले एलईडी 5 दिन बीतने के बाद भी नहीं लग सकी है। स्ट्रांग के पिछले हिस्से में सीसीटीवी लगाया ही नहीं गया है। प्रयागराज जिला प्रशासन की भूमिका संदेहास्पद है लगातार नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रहीं है। इसको लेकर रिचा सिंह ने निर्वाचन आयोग से लिखित शिकायत दर्ज कराई है। शहर पश्चिमी के रिटर्निंग के ऑफिसर सौरभ भट्ट ने एडीएम प्रशासन से जांच कर कार्यवाही करने का आग्रह किया है।

सरकार बनी तो यूपी में लाएंगे भर्ती क्रांति : प्रियंका

» महिलाओं को सशक्त बनाने पर देंगे जोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने किसानों, नौजवानों, छोटे व्यापारियों और महिलाओं को सशक्त बनाने पर जोर दिया है। उन्होंने भाजपा सरकार की नीति और नीयत पर सवाल उठाते हुए कहा कि वह यूपी में विकास की राजनीति करना चाहती हैं। ऐसी राजनीति जिसमें जाति-धर्म के बजाय रोजगार की बात हो। अच्छी शिक्षा, अच्छे स्वास्थ्य, लाभपरक खेती की बात हो। अगर आप कांग्रेस की सरकार यूपी में लाते हैं तो दशकों बाद ऐसी सरकार देखेंगे जो आपके हित के लिए दिन-रात काम करती दिखेगी। उन्होंने युवाओं के लिए भर्ती क्रांति लाने की बात कही।

वाराणसी में पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में प्रियंका ने महंगाई, बेरोजगार और छुट्टा पशुओं की समस्या पर भाजपा सरकार को निशाने पर रखा। कहा कि सरकारी विभागों में 12 लाख पद खाली हैं। पांच साल तक इन्होंने ये पद नहीं भरे, मगर अब चुनाव आने पर रोजगार देने की बात कर रहे हैं। छोटे व्यापारी देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ होते हैं। इस सरकार ने रीढ़ को ही कमजोर कर दिया। कहा कि यूपी सरकार की गलत नीतियों से यहां छुट्टा पशुओं की समस्या है। छत्तीसगढ़ में भी यही समस्या थी लेकिन वहां की सरकार ने इसके लिए नीति बनाई। गोबर खरीदने की योजना से लोगों ने छुट्टा पशुओं को अपने पास रखना शुरू कर दिया। समस्याएं दूर तभी होंगी, जब सरकार की नीति और नीयत ठीक होगी। भाजपा सरकार के लोग चुनाव के समय आपके बीच आकर मुफ्त राशन, नमक, खाते में पैसा देने की याद दिला रहे हैं। उन्होंने कहा सरकार बनी तो हम भर्ती क्रांति लाएंगे। परीक्षा और नियुक्ति की प्रक्रिया में सिर्फ छह माह का अंतर होगा। अगर कोई अधिकारी इसमें फेरबदल करता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई के लिए भी कानून लाएंगे। परीक्षा में शामिल होने के लिए यात्रा मुफ्त होगी। महिलाओं के लिए बसों में सफर मुफ्त होगा। घोषणा पत्र में किए गए वादे गिनाते हुए प्रियंका ने कहा कि हम नहीं चाहते कि आप पिछड़े और गरीब बने रहें। प्रियंका गांधी ने कहा कि भाजपा धर्म और जाति के नाम पर गरीबों और युवाओं को गुमराह कर रही है। युवाओं को रोजगार देने की बजाए उन्हें भड़का और बरगलाकर सत्ता में बने रहना चाहती है। गरीबों को और गरीब बनाने की साजिश की जा रही है। भाजपा नेताओं के संरक्षण में माफिया खुलेआम घूम रहे हैं और सरकार अपराध मुक्त प्रदेश का दावा कर रही है। जिस केंद्रीय राज्य मंत्री के बेटे ने किसानों को रौंद दिया, उसी को अपने साथ लेकर गृहमंत्री घूम रहे हैं।

प्रियंका ने महंगाई, बेरोजगार और छुट्टा पशुओं की समस्या पर भाजपा सरकार को निशाने पर रखा

भाजपा की सरकार में दुखी रही जनता : मायावती

» पिछड़ों और दलितों की सिर्फ अनदेखी हुई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने यूपी के वाराणसी में जनसभा को संबोधित कर विपक्ष को घेरा। उन्होंने कहा सपा और भाजपा की सरकार में उत्तर प्रदेश की जनता दुखी रही है। उन्होंने कहा बसपा अकेले अपने दम पर सभी सीटों पर यह चुनाव लड़ रही है। दावा किया कि वो पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने के लिए इस चुनाव में उतरी हैं। सातवें चरण के विधानसभा चुनाव की सियासी तपिश के बीच बसपा सुप्रीमो मायावती ने चौबेपुर के संदहा में कांग्रेस, सपा और भाजपा पर जमकर निशाना साधा।

पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि इन सरकारों में पिछड़ों और दलितों की सिर्फ अनदेखी और उत्पीड़न हुआ है। इनकी संकीर्ण मानसिकता से हर वर्ग की क्षति हुई है। उन्होंने कहा सत्ता में बसपा दोबारा लौटी तो भदोही का नाम फिर से संत रविदास नगर किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर हमलावर हुई बसपा सुप्रीमो ने कहा कि इन्हें सिर्फ मुस्लिम, ब्राह्मण और दलितों में गुंडे, माफिया नजर आते हैं और उनके घरों और संपत्ति को उजाड़ते हैं। जबकि एक वर्ग पर उनकी नहीं चलती बल्कि उन्हें संरक्षण दिया जाता है। बसपा सत्ता में लौटी उन खास वर्ग के माफियाओं के घरों पर बुलडोजर चलेंगे। मायावती ने जनता से आह्वान किया कि यूपी से योगी को फिर से मठ में भेजने की आप सभी तैयारी करें। यह द्वेषवश की भावना से राजनीति करते हैं। अगर हमारी पार्टी सत्ता में लौटी तो सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय की तर्ज पर विकास कार्यों को पूरा कराया जाएगा। सपा और भाजपा ने जिन विकास कार्यों को अधूरा छोड़ा या उन्हें बंद कर दिया, उन्हें बसपा फिर से शुरू करेगी।

चुनावी रैली में काशी से बंगाली मतदाताओं को ममता ने साधा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सपा गठबंधन के पक्ष में चुनाव प्रचार कर रही है। पूर्व में सिर्फ तीन मार्च की जनसभा तक ममता बनर्जी का वाराणसी दौरा सीमित था लेकिन अब ममता बनर्जी आज सपा प्रमुख अखिलेश यादव के साथ रोड शो में भी शामिल हो रही हैं।

दरअसल ममता बनर्जी का वाराणसी दौरा यहां के बंगीय समाज के बहुतायत संख्या में होने की वजह से है। बिहार और बंगाल से आकर वाराणसी में बसे लोगों के होने के साथ ही बंगीय बुद्धिजीवियों की निर्णायक सियासी भूमिका भी किसी से छिपी नहीं है। वाराणसी में बाहर से आकर बसे लोगों में सर्वाधिक बंगीय समाज के

लोगों की होने के साथ ही उनकी वाराणसी में भूमिका काफी महत्वपूर्ण होने और उसे गठबंधन के पक्ष में करने के लिए भी ममता बनर्जी की भूमिका काफी अहम मानी जाती है। खेला होबे और खदेड़ा होबे जैसे बंगाल के बांग्ला के चुनावी नारों ने वाराणसी में भी दस्तक दी है। इस लिहाज से इन नारों के जरिए बंगीय समाज के मतदाताओं को जोड़ने की कोशिश साफ नजर आ रहा है।

गठबंधन के प्रत्याशी अब्बास के खिलाफ मऊ में केस दर्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधानसभा चुनाव में सात मार्च को होने वाले सातवें चरण के मतदान से पहले बाहुबली मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी भड़काऊ भाषण देने के मामले में फंस गए हैं। बांदा जेल में बंद मुख्तार अंसारी के बेटे को मऊ से राजभर की पार्टी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी ने मैदान में उतारा है।

अब अब्बास अंसारी के खिलाफ केस दर्ज करने के साथ पुलिस वीडियो की जांच भी कर रही है। मऊ में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की अब्बास अंसारी के समर्थन में जनसभा भी होनी है। उत्तर प्रदेश पुलिस के अपर महानिदेशक कानून और व्यवस्था प्रशांत कुमार ने मऊ में एक सभा के दौरान अब्बास अंसारी के भड़काऊ भाषण के एक वीडियो के मामले में जांच का आदेश दिया है। इस वीडियो में मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी ने एक सार्वजनिक रैली में कथित तौर पर एक विवादास्पद बयान दिया था। प्रशांत कुमार ने कहा कि मऊ पुलिस को वीडियो की जांच करने और कार्रवाई करने का आदेश दिया।

सांसद वरुण गांधी की राह पर संघमित्रा

» अपनी ही पार्टी के लोगों पर साध रहीं निशाना

दिव्यभान श्रीवास्तव

लखनऊ। फाजिलनगर में पिता स्वामी प्रसाद मौर्य के काफिले पर हमले के बाद तेवर में आई भाजपा सांसद डॉ. संघमित्रा मौर्य को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। वह अपनी पार्टी के लोगों पर निशाना साध रही हैं। इससे पहले भी उन्होंने सोशल मीडिया पर पार्टी पर कटाक्ष किया था। माना जा रहा है कि सांसद वरुण गांधी की तर्ज पर उन्होंने भी ऐसे सुर अपना लिए हैं, जो भाजपा के खिलाफ जा रहे हैं।

सांसद संघमित्रा का प्रदेश नेतृत्व के प्रति व्यवहार लखनऊ में हुए घटनाक्रम के बाद से बदला हुआ है, जब उन्हें मंच पर बोलने से टोक दिया गया था। इसकी नाराजगी वह समय समय पर जाहिर करती रहीं हैं। इसके बाद उनके पिता स्वामी प्रसाद मौर्य ने भाजपा छोड़कर सपा ज्वाइन कर ली तो भी वह सोशल मीडिया के जरिये निशाने पर आईं। अब फाजिलनगर

की घटना के बाद उनका मौके पर पहुंचकर लाठी लेकर घूमना और भाजपा पर ही तीखा प्रहार चर्चा में है। हालांकि

न इस्तीफा देंगी न ही छोड़ेंगी पार्टी

तीखे बोल के घंटेभर बाद ही उन्होंने फेसबुक पर लाइव वीडियो डालकर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व में अपनी आस्था जताई। लेकिन पहले विरोध फिर नेतृत्व में आस्था जताने की उनकी बात पर लोग उनके अगले राजनीतिक कदम पर कयास लगा रहे हैं। सोशल मीडिया पर पक्ष-विपक्ष में कमेंट आ रहे हैं। कोई पार्टी छोड़ने की तो कोई इस्तीफा देने की बात कह रहा है। सांसद ने सोशल मीडिया पर ही इस तरह की बातों का खंडन किया है।

वह सोशल मीडिया पर बयान दे रही हैं कि वह न पार्टी छोड़ेंगी और न इस्तीफा देंगी। संघमित्रा बता रही हैं कि वह तीन साल तक राजनीति के हमले झोलती रही हैं। पिता की नसीहत की वजह से आज तक पार्टी के ऐसे लोगों का काला चिट्ठा नहीं खोला, जो उन्हें परेशान करते रहे। अब अपने कार्यकाल के शेष दो साल तक वह पार्टी के उन लोगों को दिखाएंगी कि राजनीति कैसे की जाती है। इस यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि जैसे सांसद वरुण गांधी पार्टी में रहते हुए तमाम मुद्दों पर मुखर है, वही रुख संघमित्रा ने भी अपना लिया है। वह पार्टी में रहकर ही अपने सियासी दुश्मनों को सबक सिखाने का काम करेंगी। सूत्र बताते हैं कि सांसद के हमलों का रुख दस मार्च के नतीजों पर भी निर्भर करेगा।

संघमित्रा के तेवर से सकते में भाजपा खेमा चुनाव बाद समीक्षा कर सकता हाईकमान

» कुशीनगर के फाजिलपुर में स्वामी प्रसाद मौर्या के काफिले पर हुए कथित हमले से शुरू हुआ हाई वोल्टेज ड्रामा चर्चा का केंद्र

» सांसद संघमित्रा पर अपने पिता व सपा प्रत्याशी का साथ देने का बड़ा आरोप

दिव्यभान श्रीवास्तव

लखनऊ। कुशीनगर के फाजिलपुर में स्वामी प्रसाद मौर्या के काफिले पर हुए कथित हमले से शुरू हुआ हाई वोल्टेज ड्रामा यहां भी चर्चा का केंद्र बना है। वहां लाठी लेकर घूमतीं और भाजपाईयों को गुंडा बताती उनकी बेटी स्थानीय सांसद डॉ. संघमित्रा मौर्य का वीडियो बदायूं में भी वायरल हो रहा है। बाद में हालांकि सांसद ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की सराहना कर बात साधने की कोशिश की है। सूत्र बताते हैं कि गेंद पाले से बाहर हो चुकी है। तमाम जानकारियां हाईकमान तक पहुंच चुकी हैं और दस मार्च के बाद सांसद की भूमिका की समीक्षा हो सकती है।

2019 के लोकसभा चुनाव में तत्कालीन सपा सांसद धर्मेंद्र यादव को संघमित्रा ने हराया था। इससे पहले संघमित्रा की यहां कोई निजी पहचान नहीं थी। उनके पिता स्वामी प्रसाद मौर्य भाजपा की प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री और बदायूं के प्रभारी थे। पार्टी में अपने कद, बदायूं लोकसभा सीट पर स्थानीय प्रभावशाली नेता का अभाव और मौर्य शाक्य बिरादरी के वोटों की बहुलता की बदौलत स्वामी प्रसाद मौर्या ने बेटी के लिए हाईकमान से यह सीट हासिल की थी। उन दिनों संघमित्रा उस वक्त चर्चा में आईं जब उन्होंने मंच से सपा को गुंडों की पार्टी कहते हुए ललकारा था कि वे नहीं जानते मैं सबसे बड़ी गुंडी हूं। वहीं सांसद वीडियो में अपील करती दिख रहीं हैं कि भाजपा प्रत्याशी को हराकर फाजिलनगर की जनता पिताजी को जिताए और दबंगों को उनके घर में कैद करने का काम करे।

"मैं क्या जवाब दूं, वक्त पर सब छोड़ दिया है। टिप्पणी करने वालों को अब वक्त ही जवाब देगा। चुनाव के बाद बदायूं आऊंगी और जनता व कार्यकर्ताओं से मिलूंगी।

संघमित्रा, सांसद भाजपा

अपर्णा के बहाने की अगड़ों-पिछड़ों की बात

सांसद संघमित्रा कुछ महीनों से भाजपा की प्रदेश व जिला इकाई से आहत दिख रही हैं जिसका आभास उनकी फेसबुक पोस्ट व गतिविधियों से होता रहता है। दरअसल, उनको कुछ समय पहले लखनऊ में भाजपा पिछड़ा मोर्चा के कार्यक्रम में मंच पर बोलने पर टोक दिया गया था। उस वक्त मंच पर सीएम योगी व प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह भी मौजूद थे। मंच पर ही संघमित्रा ने अपनी नाराजगी का अहसास करा दिया था। इसके बाद उन्होंने भाजपा में पिछड़ों की राजनीति को अलग धार देने का प्रयास किया। इसी क्रम में कुछ दिनों पहले मुलायम परिवार की बहू अपर्णा के भाजपा में आने पर भी उन्होंने तंज कसा था और उन्हें बिष्ट (अगड़ा) व खुद को पिछड़ा बताकर पोस्ट डाली थी।

प्रचार से दूर रहीं, बस नामांकन में दिखीं सांसद

चुनाव से पहले ही जहां स्वामी प्रसाद मौर्या ने सपा से नाता जोड़ लिया था। वहीं सांसद संघमित्रा मौर्य ने भी भाजपा के कार्यक्रमों से पर्याप्त दूरी बना ली थी। स्वामी के पार्टी छोड़ने के दिनों में वह लखनऊ में ही रहीं। मीडिया को बताया गया कि उनकी तबीयत खराब है। जिले में वह उस दिन आईं जब शहर व बिल्सी सीट के भाजपा प्रत्याशी नामांकन कराने गए थे। सांसद केवल चुनिंदा भाजपा प्रत्याशियों के नामांकन में शामिल हुईं थीं। यहां मीडिया से बात में कहा था कि वह भाजपा के साथ हैं। जिले की सभी छह सीटें भाजपा जीतेगी। उसके बाद वह प्रचार करने नहीं आईं। इसी तरह पंचायत चुनाव में वह केवल मतदान के दिन ही यहां पहुंची थीं।

गुंडागर्दी के खिलाफ ही भाजपा ने संघमित्रा को बनाया सांसद : वर्मा

सांसद संघमित्रा ने फेसबुक पर डाले गए लाइव में कटाक्ष किया है कि वह बदायूं में हो रहे खेला को हाईकमान के सामने रखेंगी। यहां सभी चुनावों में खेल हुआ है। उनके पास काफी साक्ष्य हैं, जिन्हें जरूरत के आधार पर सामने रखा जाएगा। कहा है कि वह बदायूं की जनता द्वारा चुनी गई सांसद हैं। ऐसी नेता नहीं हैं जो किसी ने कृपा दृष्टि कर दी और बैकडोर से पार्लियामेंट में पहुंच गईं। स्थानीय स्तर पर सांसद के कटाक्ष को केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा से जोड़कर देखा जा रहा है जो पार्टी के कार्यकर्ता थे। संगठन में काम करते हुए सीधे चुनाव के बजाय राज्यसभा के सांसद और फिर केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री बने। इस मामले में हमने बीएल वर्मा से बात की तो उनका कहना था कि वह भाजपा के अनुशासित सिपाही हैं। उन्होंने कभी किसी पर कटाक्ष नहीं किया। सांसद संघमित्रा मौर्य को बदायूं जिले में सपा की गुंडागर्दी के खिलाफ जनता व भाजपा कार्यकर्ताओं ने वोट देकर सांसद बनाया था। अब वह भाजपा वालों पर ही गुंडागर्दी का आरोप लगा रहीं हैं। इस मामले में किसी को कुछ कहने की जरूरत नहीं, सारे वीडियो और बयान सार्वजनिक हैं।

दोबारा चुनाव लड़ रहे 301 विधायकों में से 284 की संपत्ति बढ़ी

» रायबरेली की विधायक की संपत्ति में सबसे ज्यादा इजाफा

» एडीआर की रिपोर्ट में खुलासा, एमएलसी भी बने करोड़पति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में 301 विधायक और विधान परिषद सदस्य फिर से चुनाव लड़ रहे हैं। इन सभी के हलफनामों का एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने विश्लेषण किया है। इनमें से 284 यानी 94 फीसदी की संपत्ति में इजाफा हुआ है। वहीं महज 17 ऐसे हैं जिनकी संपत्ति कम हुई है। जिन 284 विधायकों की संपत्ति में इजाफा हुआ है उनमें शून्य से 22,057 फीसदी तक का इजाफा हुआ है। जो विधायक और विधान परिषद सदस्य फिर से चुनाव मैदान में है 2017 में उनकी औसत संपत्ति 5.68 करोड़ रुपये थी। जो अब बढ़कर 8.87 करोड़ रुपये हो गई है।

यानी बीते पांच साल में इन विधायकों की औसत संपत्ति में 3.18 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है। रायबरेली सीट से कांग्रेस के टिकट पर जीतने वाली अदिति सिंह इस बार भाजपा उम्मीदवार हैं। बीते पांच साल में उनकी संपत्ति में 22,057 फीसदी का इजाफा हुआ है। 2017 में उनकी कुल संपत्ति 13.98 लाख रुपये थे। जो अब बढ़कर 30.98 करोड़ रुपये हो गई है। वहीं कुल रकम के लिहाज से देखें तो मुबारकपुर से एआईएमआईएम के टिकट पर चुनाव लड़ रहे शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली की संपत्ति सबसे ज्यादा इजाफा हुआ है। बीते पांच साल में उनकी संपत्ति 77 करोड़ रुपये बढ़ी है। 2017 में उनकी कुल संपत्ति 118.76 करोड़ रुपये थी। 2022 में ये बढ़कर 195.85 करोड़ रुपये हो गई है।

सबसे आगे हैं भाजपा के नेता

संस्था के अधिकारियों के अनुसार वर्ष 2017 से वर्ष 2022 के दौरान इन विधायकों/विधान परिषद सदस्यों की औसत संपत्ति में 3.18 (56 प्रतिशत) करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है। संख्या बल के अनुरूप दलवार विश्लेषण में सामने आया है कि सबसे आगे भाजपा के नेता हैं। 301 में से भाजपा के 223 विधायकों/विधान परिषद सदस्यों ने विधानसभा चुनाव 2022 में अपनी संपत्ति में औसतन तीन करोड़ रुपये की वृद्धि दिखाई है। दूसरे नंबर पर सपा के 55 विधायकों/विधान परिषद सदस्यों ने वर्ष 2022 के चुनाव में औसतन दो करोड़ रुपये की वृद्धि दर्शायी है तथा तीसरे नंबर पर बसपा के आठ विधायक/विधान परिषद सदस्यों ने वर्ष 2022 में औसतन चार करोड़ की वृद्धि दर्शायी है।

दिबियापुर से भाजपा विधायक की संपत्ति सबसे ज्यादा घटी

दिबियापुर से भाजपा विधायक और उम्मीदार लाखन सिंह राजपूत हैं। 2017 में उनकी कुल संपत्ति 1.42 करोड़ रुपये थी। 2022 में राजपूत की संपत्ति घटकर 91.76 लाख रुपये रह गई है। उनकी कुल संपत्ति में 36 फीसदी की कमी आई है। मौजूदा विधायकों में ये सबसे कम है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

अपराधों पर नियंत्रण के लिए लाना होगा बदलाव

तमाम दावों के बावजूद यूपी में अपराधों का ग्राफ बढ़ता जा रहा है। हत्या, बलात्कार, लूट जैसी वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही है। वहीं साइबर अपराधी भी आम आदमी को अपना शिकार बना रहे हैं। वे कभी नौकरी तो कभी अन्य तरीके से झांसा देकर लोगों को ठग कर रहे हैं। दूसरी ओर पुलिस तंत्र इन अपराधियों पर शिकंजा कसने में नाकाम साबित हो रही है। सवाल यह है कि प्रदेश में अपराधियों के हौसले बुलंद क्यों हैं? ताबड़तोड़ एनकाउंटर के बावजूद हालात सुधर क्यों नहीं रहे हैं? शराब और भूमाफिया पर नकेल क्यों नहीं कसी जा रही है? अपराधों को अंजाम देकर अपराधी खुलेआम क्यों घूम रहे हैं? क्या भ्रष्टाचार ने पूरे तंत्र को अपनी चपेट में ले लिया है? क्या पुलिस और अपराधियों की मिलीभगत ने अपराधों के ग्राफ को बढ़ा दिया है? महिलाएं खुद को सुरक्षित क्यों नहीं महसूस कर पा रही हैं? क्या आम आदमी को सुरक्षा देना सरकार की जिम्मेदारी नहीं है?

“ प्रदेश में अपराध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति का कोई असर नहीं दिख रहा है। आए दिन हो रही आपराधिक वारदातों ने पुलिस के दावों की पोल खोल दी है। अभी तक संगठित और गैर संगठित अपराध ही होते थे लेकिन पिछले कुछ वर्षों में साइबर क्राइम की घटनाओं में इजाफा हुआ है। ये अपराधी लोगों के खाते से पलक झपकते पैसे उड़ा रहे हैं और इनको पकड़ने में पुलिस के पसीने छूट रहे हैं।

प्रदेश में अपराध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति का कोई असर पड़ता नहीं दिख रहा है। आए दिन हो रही आपराधिक वारदातों ने पुलिस के तमाम दावों की पोल खोल दी है। अभी तक संगठित और गैर संगठित अपराध ही होते थे लेकिन पिछले कुछ वर्षों में साइबर क्राइम की घटनाओं में इजाफा हुआ है। ये साइबर अपराधी लोगों के खाते से पलक झपकते पैसे उड़ा रहे हैं और इनको पकड़ने में पुलिस के पसीने छूट रहे हैं। साइबर सेल के बावजूद इन पर शिकंजा कसना मुश्किल होता जा रहा है। हकीकत यह है कि अपराधों के बढ़ते ग्राफ के पीछे पुलिस की लचर कार्यप्रणाली और लापरवाही जिम्मेदार है। हालत यह है कि थानों में अपराधों की संख्या कम दिखाने के लिए एफआईआर तक लिखने में कोताही बरती जाती है। यही नहीं कई मौकों पर पुलिस कर्मी पीड़ित पर आरोपी से समझौते का दबाव बनाते हैं। कई मामले ऐसे भी उजगार हुए हैं जब पुलिस अपराधियों के साथ मिलकर वारदातों को अंजाम दिया है। भ्रष्टाचार का आलम यह है कि अपराधी वारदातों को अंजाम देकर आराम से फरार हो जाते हैं और वर्षों तक वे गिरफ्तार तक नहीं हो पाते हैं। स्थानीय खुफिया तंत्र का हाल यह है कि उसे संगठित अपराधों की भनक तक नहीं लग पाती है। जाहिर है यदि सरकार अपराधों पर नियंत्रण लगाना चाहती है तो उसे न केवल पुलिस व्यवस्था में आमूल परिवर्तन करना होगा बल्कि भ्रष्ट पुलिस कर्मियों को चिन्हित कर दंडित भी करना होगा। साथ ही मित्र पुलिसिंग की अवधारणा को भी जमीन पर उतारना होगा। अन्यथा हालात बदतर होते जाएंगे।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

तीसरे विश्व युद्ध की दहलीज पर खड़े हम

सुरेंद्र कुमार

वर्ष 1991 में सोवियत साम्राज्य के पतन का श्रेय रोनाल्ड रीगन ने अमेरिका को दिया, लेकिन लाखों रूसियों का मानना था कि मिखाइल गोर्बाचेव द्वारा शुरू किए गए पेरेस्त्रोइका और ग्लासनोस्त अंतत: सोवियत संघ के विघटन का कारण बने। रूस के लोग गोर्बाचेव से नफरत करते थे और उनकी लोकप्रियता घटकर 3.5 फीसदी रह गई। अन्य कई रूसियों की तरह व्लादिमीर पुतिन ने ऐतिहासिक रूस के विघटन पर अपमानित महसूस किया और गोर्बाचेव को कभी माफ नहीं किया। तथ्य यह है कि अत्यधिक विस्तृत सोवियत साम्राज्य आर्थिक रूप से अस्थिर हो गया था और हाशिये पर चला गया था। लेकिन गोर्बाचेव के बिना बर्लिन की दीवार नहीं गिरती और जर्मनी का एकीकरण नहीं होता। जाहिर है, जर्मनी में नायक के रूप में उनका स्वागत किया जाता था। हालांकि अपने संस्मरण में गोर्बाचेव ने नाटो के पूर्व की ओर विस्तार नहीं होने के बारे में कुछ आश्वासनों की बात की थी, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से उन्होंने बाद में अपना दावा वापस ले लिया। हालांकि पुतिन का मानना था कि आश्वासन दिए गए थे। दिसंबर 2021 में चुटकी लेने के लिए उन्हें उद्धृत करते हुए कहा आपने 1990 में हमसे वादा किया था कि (नाटो) पूर्व की ओर एक इंच भी आगे नहीं बढ़ेगा। आपने बेशर्मी से हमें धोखा दिया। पुतिन यूक्रेन को लेकर विशेष रूप से संवेदनशील थे और कहा था कि अगर यूक्रेन नाटो में शामिल होता है, तो यह रूस की सुरक्षा के लिए सीधे खतरा होगा। उन्हें लगा कि रूस के खिलाफ नाटो के हमले के लिए यूक्रेन फौजों का अड्डा बन सकता है। जॉर्जिया में पुतिन की कार्रवाई और 2014 में क्रीमिया पर उनके कब्जे से नाटो मुख्यालय को समझ जाना चाहिए था कि पुतिन फिर से कार्रवाई कर सकते हैं, यदि उनकी रेडलाइन को पार किया गया। लेकिन नाटो ने पूर्व की ओर बहुत करीबी 14 देशों को लापरवाही से सदस्यता देते हुए अपना विस्तार किया, जिसने रूस को झकझोर कर रख दिया। रक्षा आपूर्ति की रिपोर्ट और यूक्रेन में साइबर हथियार और अंतरिक्ष हथियार को ऑपरेशनल डोमेन में डालने से पुतिन के संदेह और असुरक्षा बढ़ गई होगी। रूस कानूनी रूप से बाध्यकारी प्रतिज्ञा चाहता था कि नाटो आगे विस्तार नहीं करेगा। पुतिन ने यह भी मांग की कि नाटो रूस की सीमाओं के पास हथियार तैनात नहीं करेगा, और 1997 से नाटो में शामिल होने वाले सदस्य देशों से बलों और सैन्य बुनियादी ढांचे को हटा देगा। दूसरे शब्दों में, रूस

नाटो को 1997 से पहले की सीमाओं पर वापस भेजना चाहता था। हालांकि 1994 में, रूस ने यूक्रेन की स्वतंत्रता का सम्मान करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, लेकिन पिछले साल पुतिन ने रूसियों और यूक्रेनियन को एक राष्ट्र के रूप में वर्णित किया और दावा किया कि आधुनिक यूक्रेन कम्युनिस्ट रूस द्वारा बनाया गया था। पुतिन की सुरक्षा संबंधी चिंताएं जायज हैं। नाटो विस्तार लापरवाह और असंवेदनशील रहा है। सोवियत संघ के पतन पर उनके अपमान की भावना और यहां तक कि रूस के पुराने वैश्विक प्रभाव को बहाल करने के उनके सपनों को कोई भी समझ सकता है। अमेरिका, नाटो और यूरोपीय संघ को रूसी चिंताओं को खारिज करने के दोष से मुक्त नहीं किया जा सकता है। लेकिन यूक्रेन पर पुतिन के क्रूर आक्रमण को उचित नहीं ठहरा सकता, जिसके परिणामस्वरूप निर्दोष लोगों की जान चली गई, बुनियादी ढांचे/संपत्तियों का विनाश हुआ और लाखों आम नागरिकों के जीवन में व्यवधान आया, जो पड़ोसी देशों में हताश शरणार्थी बन गए। पुतिन को निश्चित रूप से रोका जाना चाहिए। एक स्वतंत्र राष्ट्र की संप्रभुता और अखंडता के उल्लंघन को माफ नहीं किया जाना चाहिए। क्या होगा यदि चीनी सेना अपने हजारों जवानों को टैंक और हथियार के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा के पार भेज देती है? भारत मुंबई हमलों (26/11) के सरगनाओं के पाकिस्तान स्थित आतंकी प्रशिक्षण और ठिकानों के बारे में जानता है। क्या उन्हें पकड़ने के लिए भारत को पाकिस्तान पर हमला कर देना चाहिए? वर्ष 2003 में अमेरिका ने पूरी तरह से झूठे आरोप लगाकर इराक पर हमला किया। यह गलत था। लेकिन बुश ने कम से कम अपनी शर्म ढकने के लिए संयुक्त राष्ट्र से प्रस्ताव पास कराया। पुतिन ने अफगानिस्तान से अमेरिका के अपमानजनक ढंग से बाहर निकलने और अमेरिका-चीन के तनावपूर्ण संबंधों के बाद एक कमजोर अमेरिका का फायदा उठाकर यूक्रेन पर हमला किया। उन्होंने मान लिया कि न तो अमेरिका और न ही नाटो युद्ध के मैदान में उतरेंगे। स्विफ्ट सुविधाओं पर प्रतिबंध, फेडेक्स सेवाओं को वापस लेने, रूसी विमानों के लिए हवाई क्षेत्र बंद करने और रूसी तेल आपूर्ति को बंद करने सहित अमेरिका, यूरोपीय संघ और जी-7 सदस्यों द्वारा घोषित कड़े प्रतिबंधों का रूस की पहले से ही कमजोर अर्थव्यवस्था पर प्रभाव पड़ेगा। लेकिन उसमें समय लगेगा।

यूक्रेन संकट से मुश्किल में इमरान खान

मरिआना बाबर

यूक्रेन पर रूसी हमले की आशंका के बीच इमरान खान मास्को पहुंचे थे। हर कोई हैरान था कि ऐसे माहौल में वह रूस की यात्रा कैसे कर सकते हैं! लेकिन उन्हें आमंत्रित करने वाले रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने यात्रा स्थगित नहीं की, बल्कि एक जोरदार संदेश दिया कि इस क्षेत्र में अब भी ऐसे मित्र हैं, जो मंत्रियों और पत्रकारों के एक बड़े प्रतिनिधिमंडल के साथ मास्को की यात्रा कर रहे हैं। मास्को के लिए उड़ान भरने से ठीक पहले इमरान खान ने कहा था, मैं उम्मीद कर रहा हूं कि यूक्रेन का संकट शांतिपूर्ण तरीके से हल हो जाएगा। मैं सैन्य संघर्ष में विश्वास नहीं करता। एक अधिकारी के मुताबिक, इमरान खान के लिए रूसी कंपनियों के सहयोग से प्रस्तावित, पर दीर्घकाल से रुकी अरबों डॉलर की गैस पाइपलाइन पर जोर देना महत्वपूर्ण है। पुतिन ने इस्लामोफोबिया के खिलाफ दुनिया भर के मुसलमानों का समर्थन किया है। कुछ समय पहले पुतिन ने एक बयान में कहा था कि इस्लामोफोबिया से बचना चाहिए। इस बयान के बाद इमरान खान ने एक ट्वीट में मुसलमानों का समर्थन करने के लिए पुतिन को धन्यवाद दिया था।

पाकिस्तान इस समय सबसे कठिन कूटनीतिक परीक्षा का सामना कर रहा है। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध जारी है, जबकि दोनों ही देशों के साथ इस्लामाबाद के राजनयिक संबंध हैं। इमरान ने मास्को के लिए जैसे ही उड़ान भरी, वैसे ही पुतिन ने यूक्रेन के दो क्षेत्रों को अलग-अलग देशों की मान्यता दी और वहां अपने सैनिक भेजने की धमकी दी। रूस ने दोनेत्स्क और लुहांस्क पीपुल्स रिपब्लिक को मान्यता दी है, जिनका गठन 2014 में पूर्वी यूक्रेन में अलगाववादी आंदोलनों द्वारा हुआ था। पाकिस्तान के यूक्रेन के साथ भी अच्छे संबंध हैं, इसलिए इमरान के मास्को दौरे का समय कूटनीतिक रूप से बहुत नाजुक है। इसी दुविधा को देखते हुए इमरान खान ने मास्को जाने से पहले एक रूसी टीवी चैनल से कहा था कि पाकिस्तान किसी का पक्ष नहीं लेगा और न इस क्षेत्र में किसी गुट का हिस्सा बनेगा। वर्षों बाद किसी पाक प्रधानमंत्री ने रूस का दौरा किया है। दरअसल सोवियत संघ द्वारा अफगानिस्तान पर हमला करने के बाद से दोनों देशों के बीच रिश्ते ठंडे पड़ गए थे। पाकिस्तान ने तब की दूसरी महाशक्ति सोवियत संघ से लड़ने और अफगानिस्तान से उसे बाहर निकालने के लिए अन्य देशों का पक्ष लिया था। लेकिन अफगानिस्तान और पाकिस्तान की ऊर्जा संसाधनों में दिलचस्पी लेने के कारण, जिसे रूस गैस के रूप में निर्यात करने के लिए तैयार था, द्विपक्षीय रिश्ते धीरे-धीरे पटरी पर आने लगे। इससे पहले प्रधानमंत्री नवाज शरीफ, पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और सैन्य प्रमुख जनरल परवेज मुशर्रफ को मास्को आमंत्रित किया गया था। पिछले साल द्विपक्षीय संबंधों में काफी सुधार हुआ, जब रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव असैन्य और सैन्य नेतृत्व के साथ बैठक के लिए इस्लामाबाद पहुंचे थे। करीब नौ वर्षों के बाद किसी रूसी विदेश मंत्री ने पाकिस्तान का दौरा किया था। यूक्रेन पर रूसी सेना के हमले के बाद युद्ध शुरू हो चुका है और इससे पाकिस्तान में नीति निर्माताओं की चिंता काफी बढ़ गई है।

प्रधानमंत्री इमरान खान का यह बयान, कि इस मामले के हल के लिए शांतिपूर्ण और कूटनीतिक तरीका खोजना होगा, उस क्षेत्र और दुनिया को यह संदेश देने की कोशिश थी कि पाकिस्तान यूक्रेन के साथ बेहतर संबंध बनाए रखना चाहता है, जो उसका बड़ा व्यापारिक साझीदार है। चीन के भी यूक्रेन के साथ बड़े व्यापारिक हित जुड़े हुए हैं। यूक्रेन के साथ पाकिस्तान का व्यापार गेहूं के आयात से लेकर रक्षा सौदों तक है। द्विपक्षीय रक्षा और सुरक्षा संबंधों के कारण इस्लामाबाद ने यूक्रेन में एक सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी को राजदूत बनाए रखा है। इमरान की मास्को यात्रा से ठीक पहले यूक्रेन में पाकिस्तान के राजदूत सेवानिवृत्त मेजर नोएल इजराइल खोकर ने यूक्रेन के पहले उप-विदेश मंत्री एमिन दजेपर से मुलाकात कर यूक्रेन की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए समर्थन जताया। पाकिस्तान को अब इस बात की भी चिंता है कि रूस-यूक्रेन के बीच पूर्ण युद्ध छिड़ने से उसे गेहूं के आयात के लिए वैकल्पिक देशों की तलाश करनी होगी। यूक्रेन और पाकिस्तान के बीच रक्षा सहयोग भी है और यूक्रेन निर्मित टी-80 यूडी टैंक पाकिस्तान की बख्तरबंद वाहिनी का अहम हिस्सा हैं। दिलचस्प यह है कि एक समय सोवियत संघ के सैनिकों को अफगानिस्तान से बाहर निकालने के लिए पाकिस्तान अफगान मुजाहिदीन का समर्थन कर रहा था, लेकिन इन दिनों पाकिस्तान और रूस संयुक्त सैन्य अभ्यास कर रहे हैं। इधर अफगानिस्तान में तालिबान ने जब अपनी अंतरिम सरकार बनाई, तो पाकिस्तान और रूस करीब आ गए और इस समूह में चीन भी शामिल हो गया। इन तीनों देशों के लिए मादक पदार्थ, उग्रवाद व आतंकवाद तथा शरणार्थी समस्या प्रमुख चिंताएं हैं। तीनों देश इन पर चर्चा के लिए कई बार मिल चुके हैं और समय आने पर तीनों अलग-अलग नहीं, बल्कि एक साथ ही काबुल को मान्यता प्रदान करेंगे। पाकिस्तान को इस बात की भी चिंता है कि रूस की मौजूदा नीतियां चीन और रूस के संबंधों को नुकसान पहुंचा सकती हैं। हाल ही में जब रूसी राष्ट्रपति पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग चीन में मिले, तो बीजिंग ने रूस को आश्वस्त किया कि आगे नाटो का विस्तार होने की स्थिति में वह रूस का समर्थन करेगा। लेकिन उसी के साथ चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने यह भी कहा कि वह यूक्रेन की संप्रभुता का समर्थन करते हैं।

सेहत के लिए बेहद हेल्दी कई रोगों से रखते हैं दूर

ब्लैक फूड्स

लंबी उम्र तक स्वस्थ रहने के लिए सबसे जरूरी है स्वस्थ खानपान की आदतों को अपनाना। यदि आप अपनी डाइट में हर तरह के मिनरल्स, विटामिन्स फल, सब्जियां शामिल करेंगे, तो ना सिर्फ आप कई रोगों से बचे रहेंगे, बल्कि मानसिक रूप से भी फिट रहेंगे। हेल्दी खानपान की आदतों से उम्र भी बढ़ती है। हमें अपनी डाइट में हर तरह के रंगों वाली चीजों, खाद्य पदार्थों को भी नियमित रूप से शामिल करना चाहिए। उन्हीं में से हैं काले रंग की कुछ हेल्दी और पौष्टिक चीजें, जो स्वस्थ रहने के साथ ही कई तरह की शारीरिक समस्याओं को भी दूर रखती हैं। आइए जानते हैं कुछ ब्लैक फूड्स के बारे में यहां, जो हेल्दी होने के साथ-साथ टेस्टी भी होते हैं।

पाचन शक्ति मजबूत करे काला अंजीर

इसमें फाइबर, पोटैशियम होता है, जो पाचन शक्ति को मजबूत बनाए रखता है। ऐसे में जिनका पाचन तंत्र कमजोर है, उन्हें काले अंजीर का सेवन जरूर करना चाहिए। इससे हड्डियों को भी मजबूती मिलती है। काले अंजीर में मिनरल्स होते हैं, साथ ही चीनी की मात्रा भी कम होती है। इसके सेवन से शुगर लेवल हाई नहीं होता है। डायबिटीज के मरीज भी इसे खा सकते हैं। इसमें मौजूद तत्व कैंसर कोशिकाओं को शरीर में नहीं बढ़ने देते हैं। हाई ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है।

काले चावल

आप अक्सर सफेद या ब्राउन चावल खाते हैं, कभी काले रंग का चावल भी भोजन में शामिल करें। यह आपको आसानी से मिल जाएगा। काले चावल में एंथोसियानिन नामक तत्व होता है, जो इंफ्लेमेशन कम करता है, कैंसर की कोशिकाओं को नहीं बढ़ने देता है। काला चावल भूसी समेत रहता है, जिससे ये फाइबर से भरपूर रहता है और सेहत को फायदा पहुंचाता है। डायबिटीज, कैंसर, लिवर बीमारी से बचे रहना चाहते हैं, तो काला चावल यानी ब्लैक राइस खाएं। यह पाचन शक्ति को मजबूत बनाता है। कब्ज की समस्या नहीं होती है। ब्लैक राइस खाने से आंखों की रोशनी भी बढ़ती है।

खूब खाएं काले बेरीज

यदि आप सिर्फ सेब, केला, संतरा ही खाते हैं, तो अब से फलों में ब्लैक बेरीज, काला अंगूर भी शामिल करें। ये सभी काले फल एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं। ब्लैकबेरी खाने से दिल की सेहत अच्छी बनी रहती है। सूजन, कई तरह के कैंसर से बचाता है। इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए भी आप काला अंगूर, ब्लैक बेरी जरूर खाएं। चूंकि, इनमें विटामिन सी, आयरन भी होता है, तो यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाते हैं। महिलाओं में पीरियड्स संबंधित समस्याओं को दूर करते हैं।

काला तिल

आप ब्लैक मशरूम, काला लहसुन, काला तिल, ब्लैक क्विनोआ आदि भी खा सकते हैं। जिन सब्जियों, फलों, अनाजों, बीज का रंग काला होता है, वे बेहद ही पौष्टिक, हेल्दी होते हैं। काले लहसुन में एलिसिन कम्पाउंड, एंटीऑक्सीडेंट्स तत्व होते हैं, जो हार्ट को हेल्दी रखता है। सूजन कम करता है, मेमोरी बूस्ट करता है। लंबी उम्र तक स्वस्थ रहने के लिए इन्हें डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए। काले मशरूम में फॉस्फोरस, कैल्शियम, कॉपर, मैग्नीशियम होते हैं।

काली उड़द दाल

दाल तो आप हरी, पीली, गुलाबी रंग की खाते ही होंगे, कभी काली उड़द दाल का भी सेवन करें। हालांकि, कुछ लोग काली उड़द दाल खाते हैं, लेकिन कम मात्रा में ही। काली उड़द दाल में भी अन्य दालों की तरह हाई प्रोटीन होता है। साथ ही इसमें फाइबर, आयरन, पोटैशियम, फोलेट भी होता है।

हंसना मना है

पति ने पत्नी को मैसेज भेजा, मेरी जिंदगी इतनी प्यारी, इतनी खूबसूरत बनाने के लिए तुम्हारा शुक्रिया। मैं आज जो भी हूं, सिर्फ तुम्हारी वजह से हूं। तुम मेरे जीवन में एक फरिश्ता बनकर आई हो और तुमने ही मुझे जीने का मकसद दिया है, लव यू पत्नी ने रिप्लाई किया-मार लिया चौथा पैग? आ जाओ घर कुछ नहीं कहूंगी। पति : बाहर खड़ा हूं, गेट खोल दो।

पति : पानी पिलाओ। पत्नी पानी लेकर आई, तब तक पति सो गया। पत्नी सारी रात पानी का गिलास पकड़े खड़ी रही। सुबह जब पति की आंख खुली तो बोला मांगो क्या मांगती हो? पत्नी : तलाक दे दे तलाक।

पत्नी : जी आपको याद है जब आप मुझे देखने आऐ थे तब मैंने किस रंग की साड़ी पहनी थी ? पति : नहीं। पत्नी : मतलब की आप मुझसे प्यार नहीं करते। पति : अरे ऐसी बात नहीं है। जब कोई पटरी पर लेटने जाता है तब वो ये थोड़ी देखता है कि ट्रेन शताब्दी है या एक्सप्रेस।

कल रात एक शादी में गया वहां, जैसे ही डीजे ने ये गाना बजाया कि जिसको डांस नहीं करना वो जाकर अपनी भैंस चराए, ज्यादातर पति अपनी पत्नी को खाना खिलाने ले गए।

कहानी — जो करे सो भरे

ऊंट और सियार में परस्पर अच्छा प्रेम था। जंगल में प्राय: साथ ही घूमते थे। एक दिन सियार ने ऊंटसे कहा-मित्र ऊंट! यदि तेरी इच्छा हो तो नदी के उस पार चलें। ऊंट-क्यों भाई! वहां क्या विशेषता है? सियार-वहां अपने को खाने के लिए काफी सामग्री मिल जायेगी, किन्तु नदी में पानी का बहाव होने के कारण मैं मेरे सहयोग के बिना अकेला नहीं जा सकता। चलो हरे-भरे खेतों में फल भी खा लेंगे और साथ-साथ सैर भी हो जायेगी। सियार ऊंट की पीठ पर बैठ गया। दोनों रवाना हुए और उन खेतों में जा पहुंचे। खेत का मालिक सोया हुवा था। दोनों के मोज बन गई। खेत को तहसनहस करते हुए फल-फूल खाने लगे। सियार का पेट छोटा होने से शीघ्र ही भर गया। सियार गोला मित्र। मुझे तो बुलबुली आती है। ऊंट ने कहा भाई ! अभी कुछ समय के लिए चुप रहना अन्यथा खेत का मालिक जग जायेगा, तो दोनों को मार खानी पड़ेगी। सियार से रहा नहीं गया। वह तो जोर-जोर से बोलने लगा। खेत के स्वामी की आँखें खुली और हाथ में लाठी लेकर दोनों को मारने के लिए दौड़ा। सियार तो चालाक था। वह शीघ्र वहां से भाग गया किन्तु ऊंट को काफी मार खानी पड़ी। नदी के किनारे पर बैठा-बैठा सियार ऊंट की प्रतीक्षा कर रहा था। इतने में ही ऊंट आया। ऊंट बोला-मित्र! आज तो उल्टे लेने के देने पड़ गये। अब तो कभी भी इस खेत में आना नहीं है। यदि तू तनिक समय के लिए मौन रख लेता तो मार क्यों खानी पड़ती? सियार-खैर, जो हुआ सो हुआ। अव यहाँ अधिक समय लगाना अच्छा नहीं है। शीघ्र चलो। कहीं वह खेत का मालिक पीछे से आ जायेगा, तो फिर बहुत ही मार खानी पड़ेगी। दोनों ही चले। ज्योंही नदी के मध्य भाग में पहुंचे त्योंही उट बोला-मित्र सियार! मुझे लो खटपटी आती है। सिआर बड़बड़ाता हुआ बोला-भाई! अभी अगर तू पानी में नहायेगा तो, मुझे बेमौत मरना पड़ेगा। नदी में पानी बहुत है मैं तो डूब जाऊंगा। तू मेरा पुराना साथी है। मित्रता निभाना तेरा परम कर्तव्य है। अत: अभी पानी में मत डूबना। नदी पार होने के बाद नहा लेना। ऊंट बोला दूसरों को उपदेश देना सरल है। मैंने कहा-थोड़ी देर के लिए चुप रहना, अब मैं भी पानी में डुबकी लगाये बिना नहीं रह सकता तो मेरे से रहा नहीं जाता ऊंट अपने इच्छित स्थान पर पहुंच गया, उसको कोई भी हानि नहीं हुई, किन्तु सियार बहते पानी में डूबकर मर गया। और पानी में बह गया जो करता है वह भरता है, जो हंसता है वह रोता है, स्वयं को गल्ती का नुकसान स्वयं को ही उठाना पड़ता है। अत: कोई भी काम करना पड़े तो हर दृष्टि से सोच-समझकर ही करना चाहिए।

सीख: जैसी करनी वैसी भरनी

6 अंतर खोजें

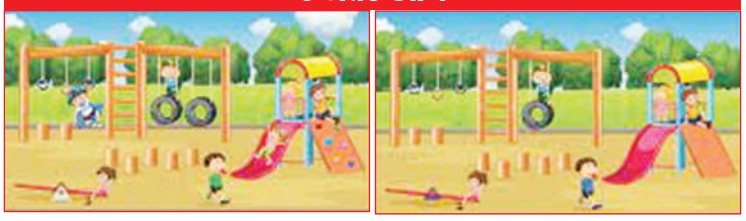

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — आज आपको शादी के लिए प्रपोजल मिल सकता है। पार्टनर की सेहत की चिंता रहेगी। आज आपको मानसिक शांति मिलेगी। अकेलेपन महसूस करेंगे। पार्टनर के साथ हुई अनबन से आज आपको राहत मिलेगी।

वृषभ — आज साथी से न चाहते हुए भी कुछ बातें छिपानी पड़ेंगी। जो संबंधों में नकारात्मकता को बढ़ाएंगी। सरप्राइज मिलेगा, जिस पर यकीन करना मुश्किल होगा।

मिथुन — सोच-समझकर ही कोई निर्णय लें। आज आपको पार्टनर से रोमांस करने का मौका मिल सकता है। कोई भी बड़ा फैसला लेने से बचें। आज आप आपको नए दोस्त से प्रस्ताव मिल सकता है,

कर्क — साथी के प्रति आपके विश्वास की जीत होगी। सिंगल के रिश्ते की बात हो सकती है लेकिन उनका मन भटकता रहेगा। जीवनसाथी की ओर से जानबूझ कर भावनात्मक चोट मिल सकती है।

सिंह — आज आप प्यार का इजहार कर सकते हैं, जिसमें सफलता मिल सकती है। लव लाइफ में खुशी और तालमेल रहेगा। आज आपके काम पूरे होंगे। प्रेमी की सेहत को लेकर चिंता रहेगी।

कन्या — छोटी-मोटी स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं से निजात के लिये घरेलू नुस्खों को अपनाना फायदेमंद रहेगा। लवमेट आज किसी अच्छी जगह घूमने के लिये जायेंगे।

तुला — आज इस राशि के जातकों को प्यार नहीं बल्कि प्यासे रोमांस की इच्छा पूरी होगी। जिसका जी भर कर लुत्फ उठाएंगे। कुछ ऐसा होगा, जिसकी कभी कल्पना भी नहीं की होगी।

वृश्चिक — आज बौद्धिक तथा तार्किक विचार विनिमय को अवकाश मिलेगा। नए कार्य शुरू करने के लिए निर्मित योजनाओं को अमल में लाने का आज उत्तम समय है। दिल संभाल कर रखें।

धनु — आज पार्टनर के साथ लड़ाई-झगड़ा ना करें। तुला राशि वालों की दोस्ती प्यार में बदल सकती हैं। पार्टनर से आज सुख मिलेगा। पति-पत्नी के बीच रिश्ते सामान्य रहेंगे।

मकर — अपने स्वभाव से गरुर को दूर रखें नहीं तो स्वंय की गलतियों से ब्रेकअप भी हो सकता है। सिंगल की शादी के योग बनेंगे। गृहस्थ परिवार की खुशी में ही खुश रहेंगे।

कुम्भ — परिवार में आज आपको कुछ नयी जिम्मेदारी मिल सकती है। स्वास्थ्य आज पहले से बेहतर रहने वाला है। जरुरतमंदो को कंबल दान करें, परिस्थितियां अनुकूल रहेंगी।

मीन — लव लाइफ में खुशी और तालमेल रहेगा। आज पार्टनरशिप में नयापन लाने का प्रयास करेंगे। इससे आपके संबंधों में ताजगी आएगी। वाद-विवाद से बचें।

बालीवुड | मन की बात

पूनम के आरोपों पर पति सैम का रिएक्शन, वो खुद को प्रोमोट करने के लिए ऐसा कर रहीं

अपनी बोल्डनेस और विवादों की वजह से चर्चा में रहने वाली मशहूर अभिनेत्री पूनम पांडे इन दिनों कंगना रनोट के रियलिटी शो लॉक अप में हैं। बीते दिनों उन्होंने इस शो में हिस्सा लिया है। हाल ही में पूनम पांडे ने शो में पति सैम बॉम्बे और अपने साथ हुई घरेलू हिंसा के बारे में बताया था। अभिनेत्री ने पिछले साल पति सैम बॉम्बे पर घरेलू हिंसा का आरोप लगाया था। अब पूनम पांडे के आरोपों पर सैम बॉम्बे ने चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कहा कि पूनम पांडे ने उनपर जो भी आरोप लगाए हैं वह बेबुनियाद है। वह सिर्फ न्यूज में बने रहने के लिए ऐसे बयान देती रहती हैं। सैम बॉम्बे ने कंगना रनोट के शो लॉक अप का हिस्सा बनने को लेकर भी अपनी प्रतिक्रिया दे है। सैम बॉम्बे ने कहा वह जो भी कह रही हैं काफी दुखद है। वह खुद को प्रोमोट करने के लिए ऐसा कर रही हैं। क्योंकि वह जानती हैं कि न्यूज के बिना वह कुछ नहीं हैं। न्यूज को वह पसंद करती हैं इसलिए ऐसा कर रही हैं। सैम बॉम्बे ने लॉक अप का हिस्सा बनने को लेकर भी बड़ी बात कही है। उनसे पूछा गया कि अगर उन्हें शो का हिस्सा बनने के लिए लॉक आता है तो क्या वह जाना चाहेंगे। इस सवाल के जवाब में सैम बॉम्बे ने कहा टीआरपी वैसे ही फायर रॉकेट हुई पड़ी है। मेरे जाने की जरूरत क्या है। इसके अलावा सैम बॉम्बे ने पूनम पांडे को लेकर और भी ढेर सारी बातें की हैं। आपको बता दें कि लॉक अप में करणवीर वोहरा ने पूनम पांडे से पूछा कि क्या वह सैम बॉम्बे को सच में प्यार करती थीं ? इस पर नशा अभिनेत्री ने हैरान कर देने वाला खुलासा किया। उन्होंने बताया है कि एक बार सैम बॉम्बे ने उन्हें इतना पीटा था कि उन्हें ब्रेन हैमरेज हो गया था। यही नहीं उन्होंने कई गंभीर आरोप लगाए कि वे रात में प्यार करने के बहाने अक्सर मारते पीटते थे। ठीक इंसान नहीं है।

मणिरत्नम की फिल्म पीएस-1 में फिर से दमक उठीं ऐश्वर्या राय

बॉलीवुड | मसाला

मणिरत्नम की बहुप्रतीक्षित फिल्म पीएस -1 जल्दी ही बड़े पर्दे पर रिलीज होने के लिए पूरी तरह से तैयार है। इस फिल्म में बॉलीवुड की खूबसूरत अदाकारा ऐश्वर्या राय बच्चन भी नजर आने वाली हैं। लाइका प्रोडक्शंस और मद्रास टॉकीज द्वारा निर्मित यह मेगा बजट फिल्म दो भागों में है, जिसका पहला भाग पीएस-1 जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज हो जाएगा। यह फिल्म कई भाषाओं में रिलीज की जाएगी। मेकर्स ने कल्कि के क्लासिक तमिल उपन्यास पोन्नियिन सेलवन पर आधारित इस मेगाबजट फिल्म का फर्स्ट लुक भी जारी कर दिया है। जिसमें ऐश्वर्या राय राजसी लुक में नजर आ रही हैं। अगर बात करें पीएस-1 की तो इसकी कहानी 10 वीं शताब्दी में चोल साम्राज्य में एक उथल-पुथल भरे समय के दौरान सेट की गई है, जब शासक परिवार की विभिन्न शाखाओं के बीच सत्ता संघर्ष ने संभावित उत्तराधिकारियों के बीच शासक सम्राट के बीच हिंसक दरार पैदा कर दी थी। पोन्नियिन सेलवन कि ये किताब पांच भागों में है, इसे 1955 में रिलीज किया गया था। आपको बता दें कि पोन्नियिन सेल्वन तमिल भाषा के महानतम उपन्यास में से एक माना जाता है। इस दिन रिलीज होगी फिल्म पीएस-1 मेकर्स ने फिल्म पीएस-1 के फर्स्ट लुक के साथ इसकी रिलीज की तारीख का ऐलान भी कर दिया है। यह मेगा बजट फिल्म फिल्म 30 सितंबर, 2022 को बड़े पर्दे पर रिलीज की जाएगी। फिल्म को तमिल, हिंदी, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज किया जाएगा। फिल्म में विक्रम, जयम रवि, कार्थी, ऐश्वर्या राय बच्चन, शोभिता धूलिपाला आदि कलाकार प्रमुख भूमिका में नजर आने वाले हैं। बता दें कि ऐश्वर्या कई सालों बाद फिल्मों में कम बैक कर रही हैं।

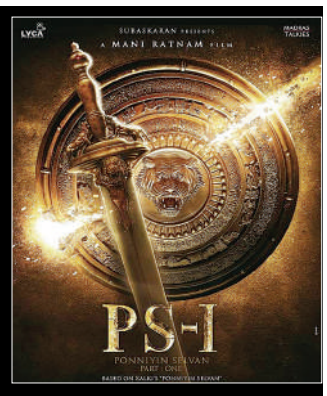

दो-दो हीरो संग रोमांस करेंगी शयाना कपूर

बेधड़क का फर्स्ट लुक रिलीज

करण जौहर ने अपनी नई फिल्म का ऐलान कर दिया है। वह स्टारकिड शनाया कपूर को लॉन्च करने वाले हैं। करण जौहर ने फिल्म टाइटल की घोषणा भी कर दी है। इस फिल्म का नाम है बेधड़क। इसमें शनाया कपूर के अपोसिट लक्ष्य लालवानी और गुर फतेह पीरजादा नजर आएंगे। कुछ समय पहले संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर के लॉन्च करने के बारे में करण जौहर जानकारी शेयर कर चुके थे। उन्होंने वीडियो शेयर करते हुए बताया था कि शनाया कपूर इस जुलाई में अपनी डेब्यू फिल्म की शुरुआत करने वाली हैं। शनाया के अलावा इस फिल्म से लक्ष्य लालवानी और गुर फतेह पीरजादा जैसे कलाकारों को भी बॉलीवुड में बड़ा मौका मिलने जा रहा है। मेकर्स ने बेधड़क से शनाया कपूर का फर्स्ट लुक पोस्टर भी शेयर कर दिया है। धर्मा प्रॉडक्शन ने इन तीनों स्टार्स के रोल्स के बारे में भी जानकारी दी है। शनाया कपूर निर्मित गुरु फतेही पीरजादा अंगद और लक्ष्य करण के किरदार में दिखेंगे। इस पोस्टर को देख फैंस को स्टूडेंट ऑफ द ईयर जैसी फ्रेंचाइजी फिल्म की याद आ गई है। बेधड़क फिल्म को शशांक खेतान डायरेक्ट करने जा रहे हैं।

अजब-गजब | इस शख्स के साथ होती है अनोखी घटना

बार-बार गायब हो जाता है शरीर का ये अंग, चार दशक से जारी है सिलसिला

आपने तमाम बीमारियों को बारे में सुना होगा, लेकिन क्या कभी ऐसी बीमारी के बारे में सुना है, जिसमें किसी इंसान के शरीर का अंग ही गायब हो जाए. नहीं, तो आज हम आपको ऐसे ही एक शख्स के बारे में बताएंगे। जो पिछले कई सालों से शरीर से अंग गायब होने वाली बीमारी से जूझ रहा है। ये बीमारी दुनिया की सबसे दुर्लभ बीमारियों में से एक है। डेरेन फर्गयूसन नाम का ये शख्स लंदन में रहता है। इस शख्स को ऐसी बीमारी है जिससे इसकी किडनी बार-बार गायब हो जाती है, इसीलिए लोग अब इस शख्स को छह किडनी वाले इंसान के रूप में पहचानने लगे हैं। डेरन बचपन से ही किडनी फेलियर का शिकार हैं, जिसकी वजह से अब तक 5 बार उनकी किडनी ट्रांसप्लांट हो चुकी है, उन्हें हर 4-5साल में किडनी बदलवानी पड़ती है।

यही नहीं, सबसे ज्यादा हैरान करने वाली तो ये बात है कि जब भी डेरेन की किडनी ट्रांसप्लांट की गई, उनकी पुरानी किडनी बाहर नहीं निकाली गई। बता दें कि उनकी किडनी खुद-ब-खुद गायब हो जाती है। डेरन पिछले 37 साल से इस बीमारी से जूझ रहे हैं। डेरेन जब मात्र पांच साल के थे उन्हें ये गंभीर बीमारी हो गई। डेरेन का जन्म भी एक किडनी ब्लॉकेज के साथ हुआ था। इसके चलते उनकी किडनी फेल हो गई थी। मात्र पांच साल की उम्र में ही डेरेन की किडनी ट्रांसप्लांट की गई थी। उसके 11 साल बाद फिर से डेरेन को किडनी ट्रांसप्लांट करवाना पड़ा। जब तीसरी बार उनकी किडनी टांसप्लांट की गई तो उनकी उम्र 21 थी उसके तीन साल बाद ही उन्हें चौथी बार फिर अपनी किडनी ट्रांसप्लांट करानी पड़ी। उसके बाद 30 साल की उम्र में डेरेन की किडनी ट्रांसप्लांट की गई। डेरेन ने 10 साल पहले अमांडा से शादी की थी। शादी से पहले ही उन्होंने अमांडा को अपनी बीमारी के बारे में सबकुछ बता दिया था कि किसी भी वक्त उनकी मौत हो सकती है। बावजूद इसके अमांडा ने डेरेन से शादी कर ली। डेरेन का परिवार उन्हें रोबोकॉप के नाम से बुलाता है, क्योंकि उन्हें जिंदा रहने के लिए कई तरह की मशीनों से जुड़ा रहना पड़ता है। डेरेन की इसी कंडीशन को देखर डॉक्टर्स ने उन्हें बताया था कि वे कभी पिता नहीं बन सकते। ऐसे में डेरेन ने कई इंफर्टिलिटी ट्रीटमेंट कराए, लेकिन कामयाबी नहीं मिली लेकिन 2014 में डेरेन की पत्नी पहली बाद प्रेग्नेंट हो गई और अपने पहले बच्चे को जन्म दिया।

तेलंगाना के इस शहर में 52 सेकेंड के लिए थम जाता है सब कुछ

दुनिया में हर देश का अपना-अपना राष्ट्रगान होता है। उसी तरह भारत का भी जन गण मन राष्ट्रगान है। राष्ट्रगान जब बजता है तो भारतीय होने का गर्व और भी बढ़ जाता है। राष्ट्रगान को गाने का कुल समय 52 सेकेंड का होता है। भारत के हर राज्य, हर शहर में जब राष्ट्रगान बजता है तो लोग इसके सम्मान में अपनी जगह पर खड़े हो जाते हैं। इसी कड़ी में आज आपको एक ऐसे शहर के बारे में बताने जा रहे हैं जहां राष्ट्रगान बजते ही पूरे शहर के लोग जो जहां होते हैं वो वहीं 52 सेकेंड के लिए थम जाते हैं। बच्चे से लेकर बूढ़े तक औरत से लेकर मर्द तक कोई भी एक कदम आगे-पीछे नहीं होता है। सब सावधान की मुद्रा में खड़े हो जाते हैं। इस शहर में एक तय समय के अनुसार राष्ट्रगान बजता है और राष्ट्रगान के बाद ही कोई भी काम शुरू होता है। तेलगांना में नालगोंडा एक शहर है जहां हर रोज सुबह आठ बजे लाउडस्पीकर पर राष्ट्रगान बजाया जाता है। जब राष्ट्रगान बजता है तो पूरा शहर 52 सेकेंड के लिए थम जाता है। आपको जानकर काफी हैरानी होगी कि शहर के अलग-अलग मुख्य जगहों पर 12 बड़े-बड़े लाउडस्पीकर लगाए गए हैं जिससे आस-पास रहने वाले लोग राष्ट्रगान सुनकर अपने सभी कामों को रोककर सावधान की मुद्रा में खड़े होकर राष्ट्रगान गाते हैं। आने वाले समय में शहर के अन्य हिस्सों में भी लाउड स्पीकर लगाने की तैयारी यहां का नगर निगम कर रहा है। जिन लोगों ने इस मुहिम को शुरू किया है उनका उद्देश्य है कि राष्ट्रगान का हर रोज सम्मान होना चाहिए। उन्हें ऐसा करने की प्रेरणा जम्मिकुंता नाम के जगह से मिली थी जहां हर रोज राष्ट्रगान बजाया जाता था। इससे प्रेरित होकर नालगोंडा जन गण मन उत्सव समिति के द्वारा इस मुहिम की शुरुआत की गई। इस प्रयोग को शहर में पहली बार 23 जनवरी 2021 को किया गया। जब यहां के स्थानीय अधिकारियों को पता चला तो समिति की इस पहल की बहुत तारीफ की। जब राष्ट्रगान शहर में बजाया जाता है तो समिति के कार्यकर्ता पूरे शहर में अलग-अलग जगहों पर हाथ में तिरंगा लिए खड़े रहते हैं। जब राष्ट्रगान बजता है तो ये पल शहरवासियों के लिए बहुत रोमांचकारी होता है। सामान्य तौर पर हम अपने राष्ट्रगान को गणतंत्र दिवस या स्वतंत्रता दिवस पर तिरंगे को सलामी देते हुए सावधान की मुद्रा में ही गाते हैं। ऐसे में इस शहर के निवासी हर रोज तिरंगे के सामने सलामी देते हुए राष्ट्रगान गाते हैं। जब से समिति की इस मुहिम के बारे में सोशल मीडिया के जरिए लोगों ने जाना है तब से इस पहल की तारीफ हो रही है।

सातवें चरण में डिंपल यादव की अहमियत बढ़ी

कार्यकर्ताओं के लिए अखिलेश यादव भी डटे मैदान में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधानसभा चुनाव अपने सातवें और अंतिम चरण में पहुंच गया हैं। राजनीतिक दलों ने भी इस आखिरी पड़ाव के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा दिया है। इस बीच आखिरी चरण में समाजवादी पार्टी की स्टार प्रचारक डिंपल यादव की अहमियत बढ़ गई है। अंतिम चरणों की सीटों पर प्रचार करने के लिए प्रत्याशियों की डिमांड आ रही है। प्रत्याशी कह रहे हैं रहे हैं कि इन सीटों पर डिंपल अगर एक बार आकर उनके पक्ष में मतदान करने की अपील कर दें तो उनकी जीत निश्चित हो जाएगी।

पांचवें चरण के चुनाव से ही समाजवादी पार्टी और भाजपा के बीच मुकाबला कड़ा हुआ है। शुरुआत के तीन चरणों में डिंपल नदारद थीं, लेकिन पांचवें चरण से महिला प्रत्याशियों के लिए सभा करती हुईं दिख रही हैं। डिंपल ने शुरुआत में राज्यसभा सांसद जया बच्चन के साथ प्रयागराज, कौशांबी, जौनपुर में सपा की सभाएं कीं। जया ने उन्हें छोटी बहू बताया और उनकी वोट की अपील स्वीकार करने को भी कहा। फिर छठवें चरण के लिए मड़ियाहूं, मेहनगर, मछलीशहर, छानवे, ओराई की महिला प्रत्याशियों के पक्ष में वोट देने की अपील की। अब सातवें चरण के लिए कई सीटों प्रत्याशी प्रचार के लिए डिंपल यादव की मौजूदगी चाहते हैं। सूत्र बताते हैं कि अखिलेश यादव ने शुरुआती चरणों में खुद ही प्रचार का जिम्मा संभाल रखा था। इन चरणों में अखिलेश ने जयंत चौधरी, स्वामी प्रसाद मौर्य, ओमप्रकाश राजभर और शिवपाल यादव को साथ रखकर प्रचार किया। करहल, मैनपुरी, इटावा में मुलायम सिंह यादव से भी सभाएं कराई गईं।

अब जिन सीटों पर चुनाव होना है, वहां जयंत का प्रभाव कम है। स्वामी प्रसाद मौर्य और ओपी राजभर भी अपने प्रभाव वाली सीटों पर प्रचार में लगे हैं। इसलिए अखिलेश को पूर्वांचल की अधिकांश सीटों पर सपा के पक्ष में प्रचार के लिए डिंपल यादव को मैदान में उतारना पड़ा। हालांकि इस बार डिंपल की रैलियों और सभाओं की सूची पहले से जारी करने के बजाए एक दिन पहले ही जारी की जा रही हैं।

तय है योगी सरकार की विदाई : राजभर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» दस मार्च के बाद बजेगा चल संन्यासी मंदिर में...

लखनऊ। चंदौली में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि सरकार की गलत नीतियों की वजह से जनता परेशान हो चुकी है। 10 मार्च को सरकार की विदाई तय है। उसके बाद जनता गाना बजाएगी कि चल संन्यासी मंदिर में। चंदौली की एक जनसभा में ओमप्रकाश राजभर ने मंच से सरकार की नीतियों पर जमकर निशाना साधा।

राजभर बोले, भाजपा सरकार में नौजवान, छात्र, व्यापारी सभी दुखी हैं। अपने दुख को दूर करने के लिए सभी इस बार समाजवादी पार्टी व गठबंधन को वोट देंगे। प्रदेश में कोई भी नियुक्ति भर्ती प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी। चाहे बीएड का मामला हो अथवा शिक्षक भर्ती का मामला हो, कोई भी पूरा नहीं हो सकी। इसलिए सभी लोग समाजवादी गठबंधन को वोट दे रहे हैं। समाजवादी पार्टी की सरकार बनी तो जातिगत जनगणना कराएगी। प्रधानमंत्री ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि हम जातिगत जनगणना नहीं कराएंगे, लेकिन सपा की सरकार इसे कराएगी। दस तारीख को फैसला हो जाएगा, सरकार की विदाई हो जाएगी। राजभर ने छुट्टा पशुओं को लेकर भाजपा पर हमला बोला। कहा कि ललका बैल नई बीमारी बनकर आई है। इससे प्रदेश के किसान पीड़ित हैं। लोग बिजली बिल से परेशान हैं। सपा सरकार आई तो सरकार बनने पर पांच साल तक 300 यूनिट बिजली फ्री देंगे। नई भर्तियां निकालने के साथ इस सरकार में हुई भर्तियों की जांच कराएंगे। राजभर ने कहा कि मऊ, बलिया, गाजीपुर आदि जिलों में इस बार भाजपा का खाता भी नहीं खुलेगा। उन्होंने समर्थकों से एक-एक वोट देकर भाजपा की गर्मी निकालने की बात कही। उन्होंने कहा कि भाजपा वाले 300 पार नहीं 300 पर तेल बेचवाना चाहते हैं। दोपहिया वाहन पर तीन सवारी बैठाने पर चालान नहीं कटेगा, इसकी व्यवस्था होगी। बोले, राम के नाम पर वोट मांगने वालों को भगवान कभी माफ नहीं करेंगे। चंदौली में पिछड़ों और दलितों के साथ अत्याचार हुआ। हर तरफ अहिंसा की जगह हिंसा की घटनाएं सामने आई। ऐसे में नोनिया और चौहान समाज के लोग मान सम्मान के साथ समझौता नहीं कर सकते हैं।

55.70 फीसदी मतदान हुआ छठे चरण में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। छठवां चरण भी कल संपन्न हो गया। इस चरण में 10 जिलों की 57 सीटों पर 55.70 फीसदी मतदाताओं ने सरकार चुनने के लिए अपने मताधिकार का प्रयोग किया। साथ ही 403 विधानसभा सीटों में से 349 सीटों पर मतदान संपन्न हो गया।

सातवें और अंतिम चरण में सात मार्च को नौ जिलों की 54 सीटों पर मतदान होगा। 10 मार्च को वोटों की गिनती होगी। छठे चरण में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, नेता विरोधी दल राम गोविंद चौधरी, कई मंत्री व पूर्व मंत्रियों के अलावा पूर्व विधानसभा अध्यक्ष माता प्रसाद पांडेय का भाग्य ईवीएम में कैद हो गया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार शुक्ला ने बताया कि खराबी के चलते 68 मशीनों को बदला गया। 433 वीवीपैट को भी बदला गया। वहीं, प्रयागराज की हंडिया सीट के एक बूथ पर पुनर्मतदान में करीब 60 फीसदी वोट पड़े।

भाई-बहन की पार्टी बनकर रह गई कांग्रेस : जेपी नड्डा

» विचारों को आगे बढ़ाने का काम कर रही भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रसाद नड्डा ने कहा कि आज सारी पार्टियां क्षेत्रीय और पारिवारिक पार्टी बन गई हैं। कांग्रेस भाई-बहन की पार्टी बनकर रह गई है, लेकिन भाजपा ही एक ऐसी राजनीतिक पार्टी है जो विचारों को आगे बढ़ाने का काम कर रही है। हमारे लिए राष्ट्र प्रथम, पार्टी द्वितीय और परिवार तीसरे स्थान पर आता है। बनारस सहित पूरे पूर्वांचल एवं प्रदेश में विकास की गंगा बह रही है।

नड्डा ने कहा कि सभी क्षेत्रीय दल परिवारिक दलों में बदल गए हैं। चाहे वह शिरोमणि अकाली दल हो, सपा हो, टीएमसी, वाईएसआर, राकांपा या फिर शिवसेना। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस अब न तो भारतीय है और न ही राष्ट्रीय, यह कुछ क्षेत्रों तक सीमित है और लोकतांत्रिक भी नहीं है। सिर्फ बीजेपी ही राष्ट्रवादी पार्टी है। भाजपा की ओर से महमूरगंज में आयोजित प्रबुद्ध समागम को संबोधित करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अनुच्छेद 370 पर विपक्षी पार्टियों को घेरते हुए कहा कि कश्मीर में महिला सुरक्षा बिल को पास करवाया। सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास मंत्र को चरितार्थ करते हुए पीएम मोदी के नेतृत्व में वैश्विक स्तर पर और विकास के स्वरूप में राष्ट्रीय स्तर पर जो परिवर्तन हुआ वह भाजपा सरकार की ही देन है।

स्वामी प्रसाद का खेल बसपा प्रत्याशी ने बिगाड़ा

योगी सरकार में मंत्री रहे और सपा का दामन थामने वाले स्वामी प्रसाद मौर्य भी कठिन लड़ाई में फंसे हैं। फाजिलनगर सीट से भाजपा प्रत्याशी सुरेंद्र कुशवाहा उन्हें कड़ी चुनौती दे रहे हैं। दरअसल, स्वामी का खेल बसपा ने बिगाड़ा है। बसपा ने इस सीट से इलियास अंसारी को प्रत्याशी बनाया है। इलियास पुराने समाजवादी हैं। समाजवादी पार्टी से टिकट मांग रहे थे, लेकिन पार्टी ने भाजपा से आए स्वामी प्रसाद मौर्य को प्रत्याशी बना दिया है। इसी का नतीजा रहा कि इलियास ने बगावत कर दी और बसपा के टिकट पर चुनाव मैदान में कूद पड़े।

अजय कुमार लल्लू कड़ी लड़ाई में फंसे

सूर्यप्रताप शाही व डॉ. सतीश चंद्र द्विवेदी की चुनौती भी बढ़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। वोटों के बिखराव ने दिग्गज प्रत्याशियों की जीत-हार का समीकरण बिगाड़ दिया है। ज्यादातर दिग्गज त्रिकोणीय लड़ाई में फंस गए हैं। योगी सरकार में कृषि मंत्री व बेसिक शिक्षामंत्री की चुनौती बढ़ी है। वहीं, सपा से चुनाव मैदान में उतरे स्वामी प्रसाद मौर्य और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू भी अपने-अपने गढ़ में फंसे हैं। कौन जीतेगा या कौन हारेगा, यह कह पाना कठिन हो रहा है।

गोरखपुर-बस्ती मंडल की 41 विधानसभा सीटों पर छठवें चरण में कल चुनाव कराए गए। बताया जा रहा है कि देवरिया की पथरदेवा सीट से चुनाव लड़ रहे भाजपा प्रत्याशी व कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही को कड़ी टक्कर मिली है। इस सीट से सपा प्रत्याशी ब्रह्माशंकर त्रिपाठी मजबूती से चुनाव लड़ रहे हैं। ठीक यही हाल सिद्धार्थनगर की इटवा विधानसभा सीट का है। इस सीट से भाजपा ने बेसिक शिक्षामंत्री डॉ. सतीश चंद्र द्विवेदी को उतारा है। सपा से विधान परिषद के पूर्व सभापति माता प्रसाद पांडेय चुनाव लड़ रहे हैं। डॉ. सतीश व ब्रह्माशंकर के बीच कांटे की टक्कर हुई है। तमकुही राज से कांग्रेस प्रत्याशी लल्लू को निषाद पार्टी-भाजपा प्रत्याशी डॉ. असीम कुमार राय से कड़ी चुनौती मिली है। सपा प्रत्याशी उदय नारायण गुप्ता भी मजबूती से चुनाव लड़ रहे हैं। लिहाजा लल्लू त्रिकोणीय लड़ाई में फंसे हैं।

सत्ता पक्ष के नेताओं में अब उत्साह नहीं!

» छठे चरण में उदासीनता लोग चाहते हैं बदलाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। छठे चरण के सियासी जंग में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई दिग्गजों की साख दांव पर लगी है। हालांकि नतीजे 10 मार्च को आएंगे मगर योगी, लल्लू, मौर्य के लिए यह चुनाव जीतना इतना आसान नहीं होगा। सपा लड़ती हुई नजर आती है लेकिन बसपा मौन है। ये बातें निकलकर सामने आई वरिष्ठ पत्रकार अशोक वानखेड़े, अजय शुक्ला, किसान नेता आनंद राय, डॉ. लक्ष्मण यादव, विकास जैन और अभिषेक कुमार के साथ एक लंबी परिचर्चा में।

विकास जैन ने कहा छठे चरण में ईवीएम में कैद मतदान किसके पक्ष में गिरा ये कहना बहुत मुश्किल है। गोरखपुर में ब्राह्मण और ठाकुर का विवाद पुरजोर है। आनंद राय ने कहा कि गोरखपुर में 9 सीटें है। सदर सीट से योगी की जीत में कोई संशय नहीं है। मसला योगी की जीत के मार्जिन का है। अखिलेश ने जो जातिए गुलदस्ता पेश किया है वो वहीं प्रयोग है जो आरएसएस ने 2017 में पेश किया था। डॉ. लक्ष्मण यादव ने कहा पूरब में सबसे ज्यादा जोर भाजपा और उनकी अनुसांगिक मीडिया घरानों और बुद्धीजीवियों के द्वारा जिस बात पर दिया गया वो लाभार्थी चेतना का है क्योंकि इसमें जो लाभार्थियों का समूह उन्हीं जातियों के भीतर आते हैं जिसकी मदद से 2017 में भाजपा ने सरकार बनाई थी। अजय शुक्ला ने कहा कि छठें चरण में भी सपा की स्थिति मजबूत हुई है। लेकिन जिस तरह से ईवीएम की मशीनें खराब हो रही है ये अपने आप में मायने रखता है। अशोक वानखेड़े ने कहा कि छठे चरण में उदासीनता है। लोग सत्ता में बदलाव चाहते है। सत्ता पक्ष के नेताओं में अब उत्साह नहीं रहा। बातें दोहराई जा रही नया कुछ नहीं है।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

अंतिम चरण में सपा प्रत्याशियों को रिकॉर्ड मतों से जिताएं : अखिलेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव पूर्वांचल की धरती पर लगातार गरज रहे हैं। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आज जौनपुर के मल्हनी में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि अब तक के चुनाव में सपा के पक्ष में धुआंधार वोटिंग हुई है। इस बार धुआं वाले धुआं-धुआं हो जाएंगे। दावा किया कि सपा प्रत्याशियों की रिकॉर्ड मतों से जीत होगी और लोगों से जिताने की भी अपील की। अखिलेश ने कहा कि मुख्यमंत्री ने 11 मार्च का गोरखपुर का टिकट कटा लिया है।

पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा लगाए गए घोर परिवारवाद के आरोप पर कहा कि कहा कि हम सब परिवार वाले हैं। अखिलेश ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार किसानों को समय पर खाद नहीं दे पाई, खाद मिली तो बोरी से पांच किलो की चोरी हो गई। अगर ये भाजपा वाले दोबारा आ गए तो खाद की बोरी से 10 किलो की चोरी कर लेंगे। अखिलेश यादव ने कहा कि आखिरी चरण आपका है, पहली बार वह देख रहे हैं कि जनता चुनाव लड़ रही है। अखिलेश ने कहा कि सपा के शासनकाल में चलाई गई एंबुलेंस और डायल 100 का नाम बदल पुलिस का कबाड़ा कर दिया। महंगाई पर कटाक्ष करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि जब पिछली बार वोट चाहिए था तो इन्होंने फ्री सिलेंडर बांटे थे, अब जब आज वोट मांगने आ रहे हैं तो बताओ सिलेंडर का रेट क्या है? डीजल व पेट्रोल का दाम भी बेतहाशा बढ़ा दिया है। वहीं उन्होंने अपने चुनावी भाषण में शिक्षामित्रों, अनुदेशकों व बीएड टेट के अभ्यर्थियों को भी लुभाने की कोशिश की। अखिलेश यादव ने चुनावी वादों की झड़ी लगाते हुए कहा कि प्रदेश भर में 11 लाख पद खाली है। सत्ता में आने पर भर्ती निकाली जाएगी। सरकार बनेगी तो 24 घंटे बिजली दी जाएगी और 300 यूनिट फ्री बिजली दी जाएगी। किसानों की सिंचाई माफ होगी, नौकरी और रोजगार के अवसर दी जाएगी। उन्होंने जनता को भरोसा दिलाते हुए कहा कि सपा की सरकार बनी तो अगले पांच सालों तक राशन कार्ड धारकों को मुफ्त राशन, एक लीटर खाद्य तेल, एक किलो दूध पाउडर और एक किलो घी भी मुफ्त दिया जाएगा।

सपा प्रमुख ने भाजपा पर चुन-चुनकर किए वार

22 लाख नौजवानों को देंगे रोजगार

अखिलेश ने कहा नौजवानों को आईटी सेक्टर में 22 लाख रोजगार देंगे। इसके लिए सपा सरकार लोगों को प्रशिक्षित करेगी। उनके टेक्नॉलाजी की पढ़ाई के लिए व्यवस्था बनायी जाएगी। तीन साल से फौज में भर्ती नहीं निकाली। हम गर्मी निकालने वालों से कहना चाहते हैं कि सपा सरकार आएगी तो नौजवानों की भर्ती करने का काम करेगी। गर्मी निकालने वाले की जौनपुर में भाप निकल जाएगी। अखिलेश ने कहा इनके विधायक उठक-बैठक कर रहे हैं। नेता तेल-मालिश कर रहे हैं। सिर्फ इसलिए कि पांच साल भाजपा ने काम नहीं किया। इसलिए समाजवादी की सरकार बनाए, आपके सारे काम पूरे होंगे। जनता की हर समस्या का समाधान सपा सरकार की प्राथमिकता रहेगी।

युवाओं के सहारे वरूण के निशाने पर केंद्र सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पीलीभीत सांसद वरुण गांधी ने सरकार को असहज करने वाला सवाल फिर उठाया है। आज उन्होंने एक वीडियो के साथ ट्वीट किया कि सेना और अर्धसैनिक बलों में भर्ती न आने के कारण पांवों में छाले लिए तीन सालों से दौड़ रहे युवा हताश हैं। बढ़ती उम्र के कारण अयोग्य हो रहे इन युवाओं को आर्थिक तंगी आर्थिक तंगी अवसादग्रस्त बना रही है।

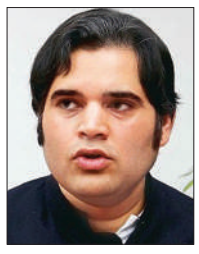

राष्ट्र सेवा का संकल्प लेने वाले इन युवाओं की आवाज राष्ट्रवादी सरकार तक पहुंचनी चाहिए। आज सांसद ने सेना में भर्ती नहीं आने की बात ट्वीटर पर उठाने के साथ ही एक वीडियो भी शेयर किया है, जिसमें किसी न्यूज चैनल से युवा की बातचीत हो रही है। युवा कह रहा है कि तीन साल से सेना में भर्ती नहीं निकलने से वह ओवरएज हो रहा। साथ ही थल सेना, वायुसेना और नौसेना में रिक्त पदों के आंकड़े भी दर्शाए गए हैं। सांसद वरुण गांधी इससे पहले भी सरकार को असहज करने वाले सवाल लगातार उठाते रहे हैं। पिछले दिनों सांसद ने रेलवे, बैंक आदि के प्रस्तावित निजीकरण के मुद्दे पर सवाल उठाते हुए रोजगार घटने की बात कही थी। इससे पहले वह बैंकों का हजारों करोड़ रुपया डकार जाने वाले लोगों की कुछ धनराशि बैंक में वापस पहुंचने के मामले को लेकर भी ट्वीट कर चुके हैं।

हरियाणा-यूपी के बीच सीमा विवाद जल्द होगा समाप्त

» हरियाणा सरकार फिर से तय करेगी स्टेट बाउंडरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के तीसरे दिन की कार्यवाही जारी है। उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि हरियाणा और उत्तर प्रदेश बीच सीमा विवाद जल्द समाप्त होगा। हरियाणा सरकार पांच राज्यों से लगती सीमा पर सर्वे आफ इंडिया की रिपोर्ट के आधार पर स्टेट बाउंडरी तय करेगी। इससे यूपी-हरियाणा सीमा पर जमीन विवाद भी खत्म हो सकेगा। इससे पहले सुबह 10 बजे हरियाणा विधानसभा की कार्यवाही शुरू हुई।

सदन में राज्य के डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने बताया कि खरखौदा आईएमटी का कार्य तेजी से जारी है। इसमें मारुति कंपनी 800 एकड़ जमीन के लिए आवदेन किया है। साथ ही सुजुकी मोटरसाइकिल कंपनी ने अपना प्लांट लगाने के लिए 100 एकड़ जमीन के लिए हरियाणा सरकार से आवेदन दिया है। इस प्रपोजल को तकनीकी कमेटी अंतिम रूप रूप दे रही है। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि हरियाणा सरकार पिछले दो साल से खरखौदा आइएमटी खरखौदा को विकसित करने के कार्य में जुटी हुई है। राज्य सरकार ने इसके लिए 237 करोड़ रुपए से सीवरेज, स्ट्रीट लाईट एवं सड़क के लिए टेंडर की प्रक्रिया शुरू की है। इस 1 आईएमटी सेक्टर से जोड़ने वाली एक सड़क का 37 प्रतिशत कार्य पूरा हो गया है।

काशी विश्वनाथ दरबार पहुंचे राहुल और प्रियंका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा आज दोपहर बाबा काशी विश्वनाथ के दरबार में हाजिरी लगाने पहुंचे। तय कार्यक्रम के अनुसार दोनों बाबा दरबार पहुंचे तो पुलिस ने गोदौलिया चौराहे पर ही वाहन रोक लिया। इसकी वजह से यहां से पैदल ही श्रीकाशी विश्वनाथ धाम रवाना हो गए। कांग्रेस की ओर से वाहन रोके जाने पर सुरक्षा का भी हवाला दिया गया।

वहीं वाहन रोके जाने पर यहां से पैदल ही राहुल और प्रियंका बाबा दरबार की ओर रवाना हो गए। राहुल गांधी और प्रियंका के स्वागत के लिए गोदौलिया द्वार पर पहुंचे कांग्रेस के कार्यकर्ता उत्साहित नजर आए। वहीं गोदौलिया द्वार पर पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों का जमावड़ा रहा। काशी को राजनीति दृष्टिकोण से सभी पार्टी के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। यहीं से पूर्वांचल की पटकथा लिखनी है। सातवें चरण के मतदान से पहले हर कोई बाबा में दर्शन को आ रहा है। आज अपराह्न में राहुल व प्रियंका गांधी गोदौलिया पहुंचे और वहां गाड़ी रोक कर मौजूद लोगों का अभिवादन स्वीकार कर पैदल ही चल पड़े। वहीं इस दौरान मौजूद अधिकारी ने दोनों को ऑटो में बैठने को कहा पर दोनों नहीं बैठे। पैदल ही हाथ जोड़ कर गोदौलिया द्वार पर पहुंचे। वहां पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने दोनों को माला फूल पहना कर महादेव के उद्घोष के साथ स्वागत किया। वहीं बाबा को नमन कर गर्भ गृह में पहुंचे और सविधि दर्शन पूजन कर बाहर निकले। वहीं बाहर निकलते समय भी मौजूद भक्तों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया। वहीं दूसरी ओर बाहर आने पर प्रियंका गांधी को एक महिला ने चुनरी भेट कर कहा कि आप जीतोगी।

यूपी चुनाव के लिए मांगा जीत का आशीर्वाद

7वें चरण में 131 प्रत्याशियों पर हत्या डकैती के केस, 217 करोड़पति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में 7 मार्च को सातवें चरण का मतदान होगा। इस अंतिम चरण में 607 उम्मीदवारों में 28 फीसदी यानी 170 प्रत्याशियों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। 131 प्रत्याशियों पर हत्या, लूट, बलवा, डकैती जैसी गंभीर धाराओं में केस दर्ज है। समाजवादी पार्टी के 45 उम्मीदवारों में 26 प्रत्याशियों पर अपराधिक मुकदमे हैं।

बीजेपी के 47 में 26 पर, बसपा के 52 में 20 पर और कांग्रेस के 54 प्रत्याशियों में 20 प्रत्याशियों पर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। गंभीर अपराधों में दर्ज केस की बात करें तो सपा के 45 में 20 प्रत्याशियों पर गंभीर धाराओं में केस दर्ज है। बीजेपी के 47 में 19 प्रत्याशियों पर, बीएसपी के 52 में 13 पर, कांग्रेस के 54 में 12 और आम आदमी पार्टी के 43 में 7 उम्मीदवारों पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज है। सातवें चरण में अगर सबसे दागी उम्मीदवारों की बात करें तो प्रगतिशील मानव समाज पार्टी से भदोही ज्ञानपुर सीट से चुनाव लड़ रहे विजय मिश्रा सबसे ऊपर हैं। विजय मिश्रा पर 24 केस दर्ज है।

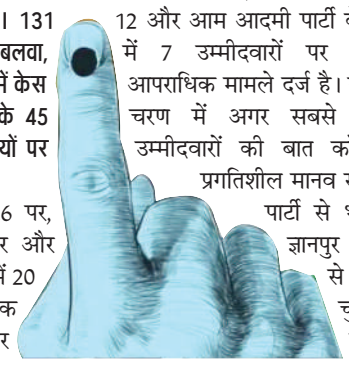

गाजीपुर के बीएसपी प्रत्याशी राजकुमार सिंह गौतम पर 11 मामले दर्ज हैं और कांग्रेस के पिंडरा विधानसभा से प्रत्याशी अजय राय पर 17 मामले दर्ज है। करोड़पति प्रत्याशियों में आजमगढ़ के मुबारकपुर सीट से एआईएमआईएम के प्रत्याशी गुड्डू जमाली सबसे ऊपर है, जिनकी कुल संपत्ति 195 करोड़ है। इस चरण 607 में से 217 प्रत्याशी करोड़पति हैं। बीजेपी के 40 प्रत्याशी, सपा के 37, बसपा के 41, कांग्रेस के 22 और आप के 15 प्रत्याशी करोड़पति हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।